Skill Development Programme

For Answer Writing

Ethics (Model Answer)

DATE : 02 Aug, 2018 **TIME : 03:15 pm**

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- मानव के आचरण का परीक्षण में प्रथम चरण सिद्धांत के प्रमुख अवयवों का विश्लेषण कीजिए।

(250 शब्द, 15 अंक)

Analyze the important elements of first stage principle in examining the human conduct.

(250 Words, 15 Marks)

MODEL ANSWER

उत्तर- नीतिशास्त्र में मानव के आचरण का परीक्षण एक जटिल प्रक्रिया होने के कारण विचारकों द्वारा इसमें सरलता लाने के लिए प्रथम एवं द्वितीय चरण सिद्धांत का प्रतिपादन किया गया, जिसमें प्रथम चरण सिद्धांत के अंतर्गत ज्ञान, स्वेच्छाचारिता तथा स्वतंत्रता नामक अवयवों का विश्लेषण किया जाता है।

ज्ञान-

इसके माध्यम से कार्य करने वाले व्यक्ति के ज्ञान के स्तर की जाँच की जाती है, जिसके माध्यम से यह निर्धारित करने का प्रयास किया जाता है कि उक्त व्यक्ति को कारण-परिणाम संबंध का ज्ञान है या नहीं। जैसे किसी मजदूर द्वारा निर्मित डैम के क्षतिग्रस्त होने पर उसे इंजीनियर के सापेक्ष दोषी नहीं करार दिया जाना, इत्यादि।

स्वेच्छाचारिता-

किसी व्यक्ति द्वारा बिना बाह्य दबाव के स्वेच्छा से किए गए किसी आचरण के सकारात्मक एवं नकारात्मक परिणाम के लिए उत्तरदायी ठहराया जाना सर्वथा उचित माना जा सकता है, परन्तु यहाँ ध्यान देने योग्य बात यह है कि दबावपूर्ण कार्यों की स्थिति में उत्तरदायी ठहराना कहाँ तक उचित है? ऐसे प्रतिरोधात्मक एवं अप्रतिरोधात्मक की संकल्पना के आधार पर आचरण का निर्धारण संभव है। अगर दबाव प्रतिरोधात्मक होने के बावजूद प्रतिरोध नहीं किया जाना सही नहीं माना जा सकता। वर्तमान संदर्भ में नौकरशाही में दबाव जैसी परिस्थितियाँ सदैव विद्यमान रहती है, जहाँ अशोक खेमका, अभिताभ ठाकुर तथा किरण बेदी जैसे उदाहरण विद्यमान है।

स्वतंत्रता-

नैतिकता के परीक्षण में स्वतंत्रता एक बहुमूल्य अवयव है, क्योंकि जब तक व्यक्ति इच्छानुसार कार्य करने तथा विकल्प को चुनने के लिए स्वतंत्र नहीं हो, तब तक उसके आचरण के लिए उसे उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता। उदाहरणस्वरूप एक मजदूर अपने बच्चों को श्रम हेतु भेजता है, क्योंकि उसके पास बच्चे के पेट भरने के लिए कोई विकल्प नहीं है।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

* * *

GS World
Committed To Excellence